

“Sanvardhan”

(Vocal for Local Initiative)

Suposhit Rampur- Ek Pahal

an initiative to curb malnutrition



RAVINDRA KUMAR MANDER
DM RAMPUR



Problem Statement

- As per NFHS-5, in Rampur district, 5.9% Children <5 years were severely wasted (weight-for-height)
- Main causes: Low socio-economic status of people, poor quality of diet, poor maternal health.

Intervention

- To achieve objectives of PM Poshan Abhiyan.
- Preparation and distribution of **Poshan kit** to SAM/MAM children, anemic adolescent girls, pregnant and lactating mothers
- Local production of raw material – organic honey, sesame, A-2 ghee, oyster mushroom, corn, dry fruits, black wheat, moringa, coarse grains including millets with the help of FPO.

Strategy

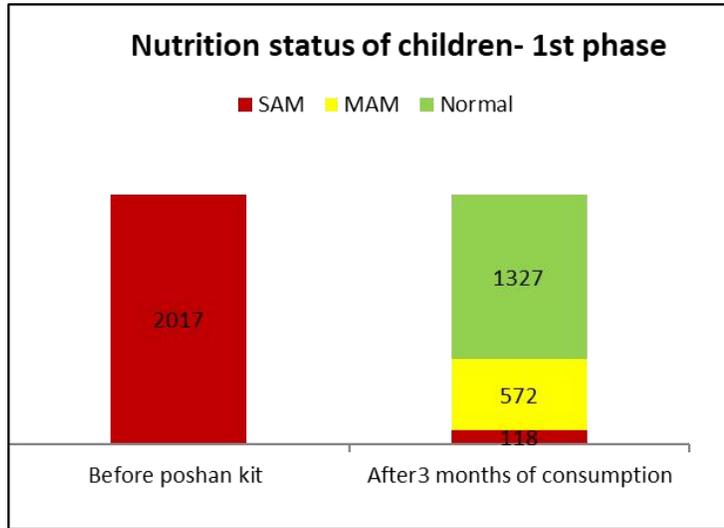
- Pilot project started with 101 SAM children as beneficiaries
- Project scaled up for all (1916) identified SAM children of district. Currently, project aids 5000+ beneficiaries.

Impact

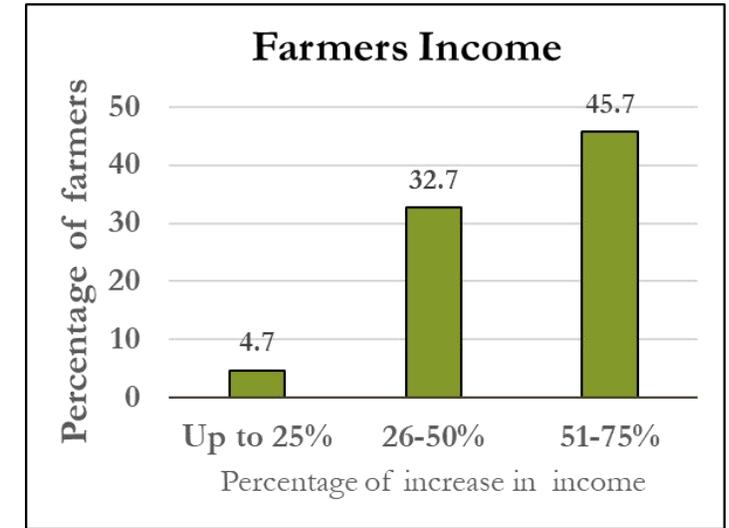
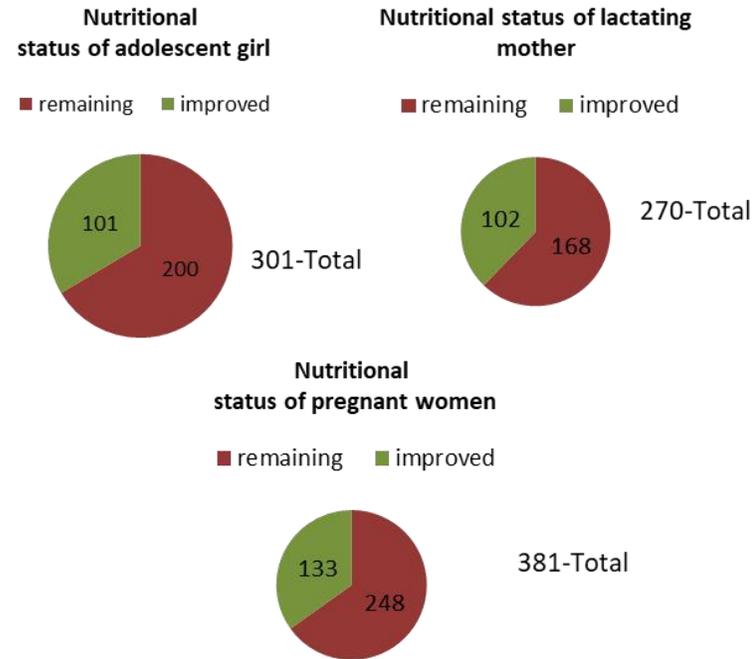
- **94% of malnourished children came out of SAM category within 3 months.**
- **Cluster farm cultivation area of diversified crops increased from 0 to 720 acre (288 ha) resulting in significant increase in local farmers income.**
- **In 2022, MMR reduced by 28.9%,IMR reduced by 8%, ANC increased by 29.3% and malnutrition (SAM) significantly reduced by 59.3% compared to 2020.**

Source: (HMIS,NFHS,Poshan Tracker)

Quantitative Impact on Beneficiaries



In first phase, 94% of SAM children came out of Malnutrition



16.9% of Farmers income doubled

Key Elements:

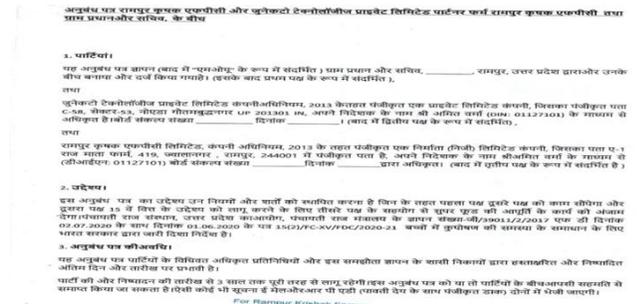
- 5325 beneficiaries have been treated.
- Association of 2080 farmers with this project.
- Setting up of indigenous processing and packaging unit with state of art technology in district by FPO.
- Products are duly certified by NABL and FSSAI.
- Linkage of beneficiaries family with other govt. scheme.



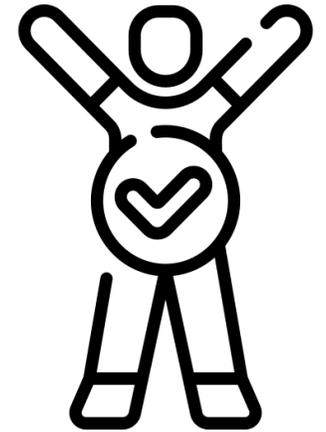
Unique Model

Aligning with PM's vision "By promoting 'vocal for local' we can ensure that our farmers income doubles"

MODEL MOU



Economic innovation : Increased financial security of farmers as raw material procured through FPO (local products, local producer)



Administrative innovation:

- Convergence of basic grant/untied fund of PRI (gram panchayat) granted under 15th finance commission
- Effective coordination of various departments such as ICDS, Panchayati Raj, Health, Agriculture, Education and Food.

Nutritional innovation (products name):

- Khatta meetha super laddu: Carotene, Thymine
- Mushroom corn soup: Vitamin B5, Folic acid, Choline
- Organic honey: Potassium, Sodium
- Multi grain cookies: Omega 3,6, Vitamin B6
- Amla triphala juice: Phenolic Compound Vitamin A & C
- Superfood supplements: Zinc, Calcium, Iron, Multivitamins
- Black wheat moringa flax seed daliya: Omega 3-6-9, Magnesium, Protein

"Suposhit Rampur"

Governance



- Direct procurement from FPO by Gram Panchayats
- Success of the project inspired engagement of 22 more FPOs, diversification of crops and manifold increase in cultivation area under organic farming

- Direct/doorstep delivery to beneficiaries thereby cutting short the long supply chain and reducing red tapism

Monitoring, Transparency and Capacity Building for Better Quality

“Better use of technology, public participation and social awareness shall be used together to eradicate malnutrition from our country”- PM

Technology for monitoring and feedback:

- Use of **Poshan tracker app** for monitoring and reviewing
- **Vatsalya app** developed for tracing of high risk births along with monitoring and assessment of health status of newborns to prevent them from falling under trap of malnutrition.
- Dedicated **Poshan war room** (call center) with poshan champions in order to ensure grievance redressal, proper service delivery and feedback mechanism

Capacity Building:

- Organised virtual training of 350 head farmers
- Engaged 2 NGOs for third party verification
- Anganwadi workers trained to conduct regular home visits and create awareness about anemia, nutrition, lactation & hygiene alongwith distribution of poshan kit and other essential

Social Awareness:

- Nomination of **nutrition monitors** for counseling of beneficiaries
- IEC material such as SAM handout, Shagun card, Sanvardhan poster were distributed
- Engagement of social/print/electronic media
- Outreach program conducted by administration and elected representatives

Jan Bhagidari:

- Besides funding the project, PRI involved in creating awareness about dietary habits, cleanliness and setting up of 715 poshan vaticas in schools
- 777 poshan panchayats organized to explain the benefits of poshan kits and organic farm produce

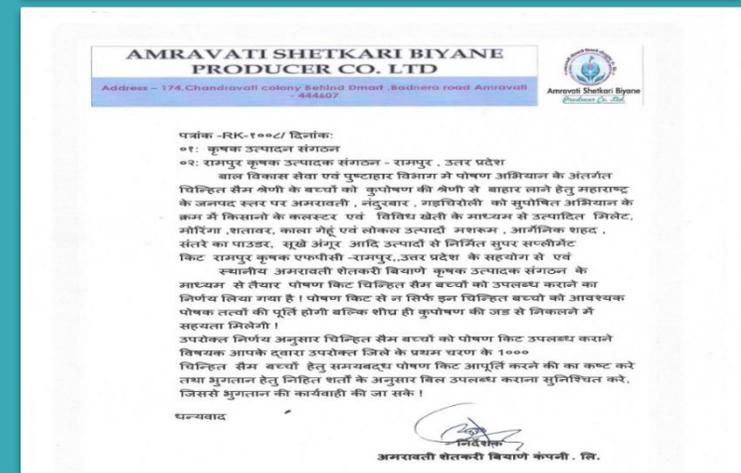
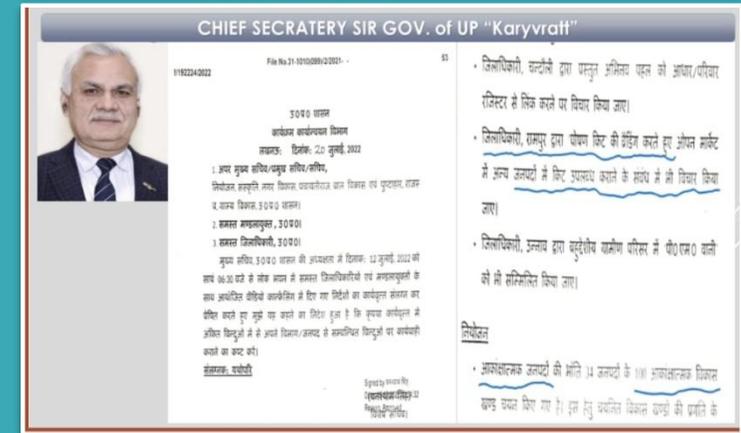


Sustainable and Replicable

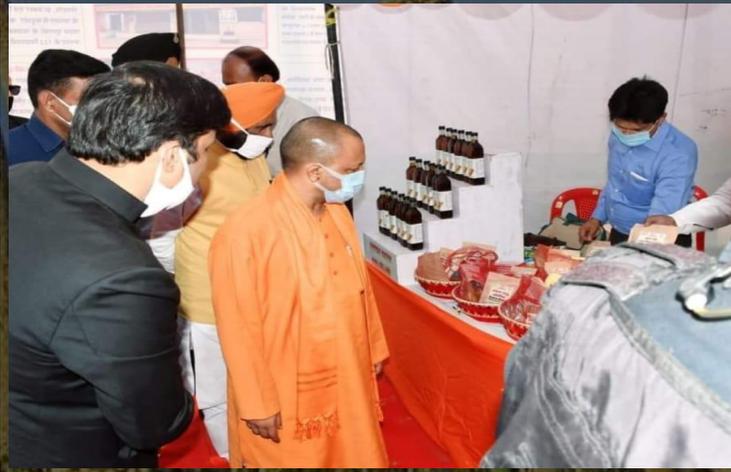
- As nodal agency for implementation is PRI, it can be replicated in all districts and states
- Use of locally available organic products to maintain supply chain
- Institutionalized MOU between PRI and concerned FPO
- Already replicated and kits order received from other **Districts** - Sambhal-2000, Kanpur-1000, Moradabad-2000, Bulandshahar-500 **States** - Maharashtra-1000, Telangana - 500 and **Country** - Uzbekistan-100

Way Forward

- Expanding reach of the project by identifying all eligible beneficiaries of the district
- Focus on crop diversification
- Empowerment of local farmers community by maximizing their participation and profit margins
- Ensuring participation of SHGs in the task of processing and packaging of kits after providing them extensive training by FPO



Glimpses



Honourable CM of UP
Shri Yogi Adityanath ji visited the stall



Shree B.L. Verma, Minister of State,
NER & Cooperation, GOI visited the unit

BEFORE

AFTER



Name : Vishnu
Weight : 10.5
Height : 92 cm



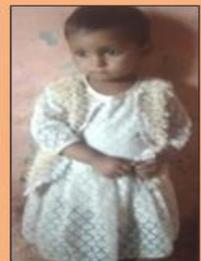
Name : Vishnu
Weight : 12.3
Height : 96cm

BEFORE

AFTER



Name : Alima
Weight : 7.4
Height : 78 cm



Name : Alima
Weight : 9.2
Height : 80 cm

Health indicator before and after
administration of Poshan Kit for 3 months

Media Coverage

5500 कुपोषितों को संवर्धन सुपोषित का लाभ

रामपुर, संवाददाता। संवर्धन-सुपोषित रामपुर एक पहल के तहत अब तक 5500 से अधिक कुपोषित बच्चों और एनीमिक महिलाओं एवं किशोरियों को लाभ दिया जा चुका है।

- कुपोषित और एनीमिक महिलाओं को मिल रहा लाभ
- पहले चरण में 1916 बच्चों को पोषण किट प्रदान की गई



लगभगतर प्रयास जारी है। - रविन्द्र कुमार मॉडड़, जिलाधिकारी, रामपुर

बच्चों के स्वास्थ्य में तीव्र एवं अत्यंत सकारात्मक सुधार हुआ। पोषण किट के निवर्तित सेवन से बच्चों के स्वास्थ्य में होने वाले सुधार और सकारात्मक परिणामों को ध्यान में रखते हुए इस पहल को एनीमिक गर्भवती और धार्मिक महिलाओं तथा एनीमिक किशोरियों पर भी प्रभावी बनाया गया और उनके लिए पोषण किट तैयार कराकर वितरण सुनिश्चित कराया गया। वर्तमान में शासन द्वारा विकासखंड सैदनगर को

कुपोषित बच्चों और एनीमिक महिलाओं को नियमित रूप से चिन्हित करके उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

- राजेश कुमार, जिला कार्ययम अधिकारी, रामपुर

आकांक्षी विकासखंड के रूप में चिन्हित किया गया। इस विकासखंड में कुपोषण उन्मूलन को लेकर वर्तमान में विशेष अभियान चलाकर सभी चिन्हित अति कुपोषित बच्चों और एनीमिक गर्भवती एवं धार्मिक महिलाओं तथा एनीमिक किशोरियों को पोषण किट प्रदान की जा रही है।

सुपोषित रामपुर एक पहल के तहत संवर्धन कार्यक्रम में अग्रणी भूमिका के लिए एफपीओ के प्रेसीडेंट अमित वर्मा को सीएम ने किया सम्मानित

(उत्तर केसरी व्यूरो)

रामपुर। डायवर्सिफिकेशन एवं क्लस्टर एग्रीकल्चर के माध्यम से कृषि उत्पादों को संशोधित कर कुपोषित बच्चों के लिए आहार तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले रामपुर कृषक एफपीओ के प्रेसीडेंट अमित वर्मा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एफपीओ के उत्पादों की प्रदर्शनी के दौरान वेस्ट एफपीओ अवार्ड से सम्मानित किया

सुपोषित रामपुर एक पहल के अंतर्गत जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉडड़ के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा संवर्धन कार्यक्रम चलाया जा

रामपुर कृषक एफपीओ को मिला प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ एफपीओ का सम्मान

रहा है। इस संवर्धन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद के कुपोषित बच्चों को स्थानीय कृषक उत्पादों को समाहित करके तैयार कराए जा रहे पोषण किट के माध्यम से सुपोषण की श्रेणी में लाना है।

इस संवर्धन कार्यक्रम में रामपुर कृषक एफपीओ अग्रणी भूमिका निभा रहा है तथा जनपद के साथ-साथ प्रदेश के अन्य जनपदों और देश के विभिन्न राज्यों में भी अपने

उत्पादों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर एफपीओ द्वारा अभियान चलाया जा रहा है।

जनपद में संचालित यह रामपुर कृषक एफपीओ स्वयं में प्रदेश में पहला ऐसा एफपीओ है जिसने सुपोषित बच्चों के लिए आहार तैयार करके उन्हें सुपोषित करने और झेन दक्षता हासिल करने के लिए वेस्ट एफपीओ अवार्ड से नवाजा गया है।



कुपोषण उन्मूलन के लिए चलाई जा रही सुपोषित रामपुर-एक पहल को मुख्य सचिव ने सराहा

पोषण किट की विभिन्न माध्यमों से अधिकतम लोगों तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

शाह टाइम्स व्यूरो

रामपुर। सुपोषित रामपुर-एक पहल के रूप में जिला प्रशासन की कुपोषण उन्मूलन से जुड़ी कवायद की मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने सराहना की है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विंडो पर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों के साथ शासन की प्राथमिकता वाले विंडो पर समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉडड़ ने जिले में कुपोषण उन्मूलन के लिए शुरू की गई इस पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने पहल के बारे में बताया कि रामपुर कृषक एफपीओ की भागीदारी के साथ उससे जुड़े किसानों को प्रोत्साहित करने और



स्थानीय उत्पादों की उपयोगिता और महत्व को कुपोषण निवारण के आधार के रूप में शामिल किया गया है। किट में शामिल खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता की जाँच के लिए एस

सभी बच्चों के पूर्णतः स्वस्थ होने के बारे में जानकारी दी जिस पर मुख्य सचिव ने किट में शामिल खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता और उस पर खर्च के प्रबंधन के बारे में भी जिलाधिकारी से जानकारी प्राप्त की।

मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल को प्रशासनिक स्तर से कुपोषण उन्मूलन की कवायद में शामिल रखने के साथ साथ बाजारों में भी इस किट की उपलब्धता के लिए प्रयास करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि इससे सामान्य बच्चों को भी किट के सेवन का अवसर मिलेगा और उनको भी बेहतर शारीरिक और मानसिक वृद्धि में यह पोषण किट सहायक सिद्ध होगी।



THANK YOU

